जी हाँ यही देवालय है

हाले दिल भ्रांति
बयाँ करो इसे ही
चाहे जहाँ? देवालय
नहीं, कहते हैं
यहाँ करो यहीं पर ही
खुशी खुशी हमारे ही इसी लिए
जिया करो नहीं हमेशा ही
और कहीं? तुम्हारे भी ऐसे काम
नहीं, प्रभू करो
यहीं पर ही रहते हैं मरो तो अमर
हृदयंगम मन मंदिर हो के मरो,
किया करो, भी हाले दिल
जिंदगी के इसे ही बयां करो
हालातों से कहते हैं, चाहे जहाँ?
इंसानी कहीं भी रहो नहीं।
जज्बातों से कैसे भी रहो यहाँ करो
घायल हुए हो? सच्चाई पर क्योंकि यही
तो अमृतपान चला करो, देवालय है
और कहीं? अपने साथ इससे ऊँचा
नहीं सबका ही कहाँ
यहीं पर ही भला करो हिमालय है
किया करो, यही साथ जी हाँ
यहीं पर है जाएगा, यही
''शाँति'' और कुछ देवालय है।
दूर होती है हाथ – इन्द्रकुमार जैन
मन की नहीं आएगा, बाकलवाले, इन्दौर

हकीकत तो ये है

जो हरदम ही मौत से डरते रहते हैं,
उन्हें कायर कहते हैं,
जो बूढ़े होने पर भी जीने की इच्छा रखते हैं,
उन्हें रिटायर कहते हैं,
जो जिंदगी में कुछ न कुछ कर ही जाते हैं,
उन्हें हायर कहते हैं,
जो जिंदगी भर कुछ भी नहीं कर पाते ,
उन्हें जीते जी एक्सपायर कहते हैं।

श्री गोलालारीय सोशल ग्रुप की बैठक संपन्न।

अपनों के साथ, अपनी बातें....

इन्दौर, अंचल जैन। श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप की बैठक ग्रुप अध्यक्ष श्री राजेशकुमार जैन 'सायकलवालों' की अध्यक्षता में गोम्मटगिरी पर मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुई तत्पश्चात सभी सदस्यों ने भक्तिभाव पूर्वक भक्तामर पाठ का वाचन किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने ग्रुप के विकास, आगामी कार्यक्रमों व ग्रुप की महत्ता पर अपने विचार रखे। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने ग्रुप की गतिविधियों को रोचक बनाने पर बल दिया। वरिष्ठ सदस्य श्री अशोककुमारजी (जज) ने ग्रुप को परिवारों के आपसी मेलजोल का अच्छा माध्यम बताया, जहां समाज विकास के साथ हम व्यक्तित्व विकास की गतिविधियां भी आयोजित कर सकते है। इस अवसर पर उन्होंने 10 हजार रुपये एवं समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने 5 हजार रु. की सहयोग राशि प्रदान की। गोलालारीय दर्शन की ओर से वर्ष 2011 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र भेंट किये गये। प्रशस्ति पत्र के प्रकाशन में श्री अजयकुमार एवं श्री अरविंदकुमार जैन ने विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया । ग्रुप सचिव अंचल जैन ने उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट कर भविष्य में सदस्यों द्वारा इसी तरह सहयोग देने का अनुरोध किया।

1008 श्री चन्द्रप्रभु भगवान का कल्याणक महोत्सव संपन्न

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन ।1008 श्री चन्द्रप्रभु भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव पौष कृष्ण 11 तदनुसार 21 दिसम्बर 2011 को 108 मुनिश्री अनुभवसागरजी के सानिध्य में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। प्रात:काल की बेला में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, मूलनायक श्री चन्द्रप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक संपन्न किया गया। तत्पश्चात सामूहिक पूजन का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

सभी क्रियायें प्रतिष्ठाचार्य डॉ. महेन्द्र जैन (बिस्किट) द्वारा संपादित करवाई गई। इस कार्यक्रम में विशेष रुप से श्री अशोककुमार मानोरिया (अध्यक्ष), श्री प्रकाशचंद हुसनापुर (मंत्री), डॉ. पद्मचंद (पूर्व अध्यक्ष), श्री अरविंद कुमार (हलाली), डॉ. एम.सी. जैन, श्री हुकमचंद जैन, श्री प्रदीप चौधरी, श्री मुलायमचंद जैन, श्री प्रेमचंद जैन दुर्गानगर, श्री किशनचंद जैन, श्री शैलेन्द्र कुमार जैन, श्री देवेन्द्रकुमार जैन, श्री कन्छेदीलाल जैन, श्री रवीन्द्र जैन आदि उपस्थित थे।

दोपहर में चंद्रप्रभु महिला मंडल द्वारा भगवान के पालना का कार्यक्रम संपन्न किया गया। शाम को नवयुवक मंडल द्वारा सामूहिक आरती का कार्यक्रम संपन्न किया गया। इसी तारतम्य में रविवार दि. 25/12/11 को मंदिर ट्रस्ट, चंद्रप्रभु महिला मंडल एवं प्रगति आर्थराइटिस रिलीफ केन्द्र उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में विशाल घुटना दर्द राहत शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 230 मरीजों के घुटनों का परीक्षण किया गया। परीक्षण कार्य उदयपुर से पधारें डॉ. मिथलेश कुमार द्वारा निशुल्क किया गया एवं 45 मरीजों को उक्त केन्द्र द्वारा रियायती मूल्य पर कैलिपर्स प्रदान किये गये।

सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी पर नववर्ष का स्वागत भक्तों ने भक्तिभाव के साथ किया।

पवागिरी, विनोद भैया बैरागी। आचार्य श्री 108 नेमीसागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य नेमिगिरी तीर्थ के प्रणेता एवं तंत्र मंत्र के ज्ञाता आचार्य श्री 108 दयासागरजी महाराज का पावागिरी सिद्धक्षेत्र में मंगल प्रवेश हुआ। सिद्धक्षेत्र की समस्त कार्यकारिणी के साथ आसपास के क्षेत्रों के अनेकों श्रावकों ने पूर्ण भक्तिभाव के साथ आचार्यश्री की आरती कर पादप्रक्षालन कर मंगल प्रवेश कराया।

आचार्यश्री का केशलोच वर्ष के अंतिम दिन प्रात:काल की बेला में संपन्न हुआ। जिसको देखकर समस्त भक्तगण अभिभूत हो गये। रात्रि में 108 श्री विद्यासागर जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा 'लकडहारा' नाटक का मंचन कर दर्शकों को 'लोभ पाप का बाप है' का संदेश दिया।

पुष्पेन्द्र जैन एंड पार्टी, टीकमगढ़ की शानदार प्रस्तुति से भक्तगण झूम उठे। भक्तामर मंडल न्यू देवास रोड़, इन्दौर की मंडली ने संगीतमय प्रस्तुति से भगवान आदिनाथ भगवान की महिमा का वर्णन किया। नये वर्ष के आगमन पर रात्रि 12 बजे भोंयरे में विराजमान श्री 1008 पार्श्वनाथ स्वामीजी की 1008 दीपकों से आरती ने सभी भक्तों को रोमांचित कर दिया। 108 आचार्य श्री दयासागरजी महाराज ने भक्तो को नववर्ष पर मौन आशीर्वाद प्रदान किया।

नववर्ष के प्रथम दिन 1008 श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के आयोजन पश्चात आचार्य श्री ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों के करने से जन्मों जन्मों के पाप कट जाते है। उन्होंने बताया कि नेमीगिरी तीर्थ क्षेत्र पर दि. 14 मार्च 12 से 19 मार्च 12 तक विश्व इतिहास में पहली बार 24 रथ, 24 भगवान के माता पिता, 24 सौधर्म इंद्र, 24 कुबेर एवं 24 मंदिरों के 96 श्रीजी की प्रतिमाओं को अधर में विराजमान किया जावेगा। संचालन नितिन भैया खुरई, संघ संचालिका राधा दीदी, सलाहकार सुमत जैन शास्त्री नागपुर ने किया।

हमारे संगठन, हमारी शक्ति.....

जबलपुर गोलालारीय समाज का संगठन 'दिगम्बर जैन गोलालारीय नवयुवक सभा' के नाम से अपनी सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियां वर्षों से संचालित करता रहा है। जबलपुर संगठन ने दो बार युवक–युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन कर संपूर्ण भारत में अपने संगठन की अलग ही पहचान बनाई है। हम आपको जबलपुर समाज के अध्यक्ष व सचिव का संक्षिप्त परिचय देते हुए यह जानेंगे कि इनके मन समाज के लिए क्या सपने है तथा क्या है उनकी आगामी योजनायें।

अध्यक्ष – अरविन्द कुमार जैन 'बाकलवाले', 15 वर्ष पूर्व समाज से जुड़े। प्रारंभ के 10 वर्षो तक कोषाध्यक्ष के रुप में कार्य किया । वर्ष 2008 से अध्यक्ष पद पर कार्यरत ।

सचिव – डॉ. सुनील कुमार जैन, वर्ष 1997 से नवयुवक सभा से जुड़कर संगठन के कार्यों को संपादित करा वर्ष 2002 से महासचिव पद पर कार्यरत।

वर्ष 2001 में आयोजित गोलालारीय समाज के प्रथम युवक युवती सम्मेलन में सौंपी गई समस्त जिम्मेदारियों को समाज सदस्यों के सहयोग से पूर्ण किया। वर्ष 2009 में हमारी संस्था ने पुन: युवक–युवती परिचय सम्मेलन कराया जिसमें देश के कई प्रांतों से पधारें समाजजनों ने काफी सराहा। हमारा विचार है कि इस प्रकार के आयोजन एक नियमित अंतराल से किसी ना किसी शहर में नियमित रुप से आयोजित होते रहना चाहिए। विवाह संबंध गोलालारीय समाज में ही हो इसके लिए हम सभी को पूर्ण प्रयास करना चाहिए । इस बारे में राष्ट्रीय कार्यकारिणी को उचित कार्ययोजना शीघ्र ही बनाना चाहिए।

जबलपुर में मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु समाज के लिए भूमि क्रय करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है, साथ ही समाज के निशक्तजनों के उत्थान व उनके बच्चों की शिक्षा संबंधी सभी आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए समाजजनों को यथासंभव प्रयास करना चाहिए।

प्रत्येक नगर में 'गोलालारीय समाज' का गठन अवश्य होना चाहिए तथा उनके प्रतिनिधि वर्ष में एक–दो बार मिलकर समाज उत्थान के लिए कार्ययोजना बनायें तभी सही मायनों में हम उन्नति कर पायेंगे।

अनुरोध

आपके नगर में गोलालारीय समाज का संगठन है तो उनके अध्यक्ष एवं सचिव के फोटो संक्षिप्त जानकारी के साथ व समाज के लिए उनके मन में क्या योजना है उसका विवरण हमें लिख भेंजे। हम आगामी अंको में उनके विचार प्रकाशित कर समाज को अवगत करायेंगे।

गोलालारीय समाज अब वेबसाईट पर भी.....

गोलालारीय समाज की वेबसाईट www.golalariya.com में प्रत्येक नगर के संगठन की सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की सचित्र जानकारी समाहित की जा रही है। आपसे सादर अनुरोध है कि आपकी जानकारी में अपने समाज के मुनिराजजी, माताजी, आर्यिकाजी, विद्वान एवं साहित्यकारों की संपूर्ण जानकारी हमें सचित्र भेजें। देश–विदेश में सरकारी एवं निजी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत प्रशासनिक अधिकारी, प्रबंधक, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट व कंपनी सेक्रेटरी इत्यादि की जानकारी सचित्र भेजें ताकि समाज की इन प्रतिभाओं का हम उचित सम्मान कर उनका परिचय संपूर्ण समाज से करा सके। संपर्क – बाहुबली जैन, 98272-48748